अपराधमुक्त समाज निर्माण के लिए जरूरी है, शिक्षा में आध्यात्मिकता–दादी हृदयमोहिनी

मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिकता में स्नातकोत्तर पाठयक्रम का शुभारम्भ

आबू रोड, 5 जून, निसं। आज समाज में तेजी से मूल्यों का पतन हो रहा है। शिक्षा का स्तर तो बढ़ रहा है परन्तु मूल्यों की कमी के कारण श्रेष्ठ समाज का निर्माण असम्भव सा लगता है। इसलिए यदि मूल्यनिष्ठ और अपराध मुक्त समाज का निर्माण करना है तो वर्तमान शिक्षा में मूल्य तथा आध्यात्मिकता का समावेश जरूरी है। उक्त विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने व्यक्त किये। वे शांतिवन में विश्वविद्यालय तथा कालेज शिक्षाविदों के लिए आयोजित सम्मेलन के उदघाटन अवसर पर भारत तथा नेपाल से आये शिक्षाविदों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे दादीजी ने कहा कि हमारी संस्कृति में केवल मूल्यों को स्थान दिया जाता रहा है। भारत देश की शिक्षा पूरे विश्व में अनुकरणीय है। आज भी इसकी महिमा और महानता पूरे विश्व में सम्माननीय है। पूरे समाज में अराजकता तेजी से फैलती जा रही है। इसलिए यदि मूल्यनिष्ठ तथा अपराध मुक्त समाज का निर्माण करना है तो इसके लिए मूल्यनिष्ठ शिक्षा की अति आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था का शिक्षा प्रभाग तथा अन्नामलाई खुला विश्वविद्यालय के बीच समझौते से देश के युवाओं में एक नयी क्रान्ति आयेगी और सभ्य समाज का निर्माण होगा।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के उपकुलपति डा0 एम0 रामनाथन ने कहा कि भारत में गरीबी आज भी है परन्तु उससे ज्यादा गरीबी मूल्यों की बढ़ रही है। शिक्षा में मूल्य तथा आध्यात्मिकता पाठयक्रम की शिक्षा से बच्चों में श्रेष्ठ संस्कारों का उदय होगा और वह अपने अन्दर एक इंसानियत का भाव पैदा कर पायेगा। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग के साथ समझौता होने से पूरे देश में यह शिक्षा तेजी से फैली है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसका परिणाम तेजी से सकारात्मकता की ओर बढ़ेगा। उन्होंने ग्रेजुएट डिप्लोमा शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता के सुखद परिणाम के उपरान्त मास्टर ऑफ साइंस के लिए भी घोषणा की।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र0 कु0 निर्वेर ने कहा कि हमारी बहुत दिनों से इच्छा थी कि किसी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में मूल्य तथा आध्यात्मिकता का पाठयक्रम संचालित हो जिससे पढ़ने वाले युवाओं में मूल्यों के प्रति रूझान हो। इसको सहजता से स्वीकारते हुए अन्नामलाई विश्वविद्यालय ने पाठयक्रम का समझौता करके एक नया कदम रखा है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि अपने आशिवर्चन में कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि एक दिन भारत जरूर मूल्यनिष्ठ बनेगा। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी ने उपस्थित लोगों को ईश्वरानुभूति करायी तथा शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र0 कु0 मृत्युंजय ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम में आभार शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो0 हरीश शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम में अन्नामलाई विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा के निदेशक नागेश्वराव ने एमएस सी के सहयोगात्मक शिक्षा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र0 कु0 शीलू ने किया।

ऐतिहासिक दिन

संस्था के इतिहास में पहली बार राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के शिक्षा प्रभाग तथा अन्नामलाई विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा में मूल्य तथा आध्यात्मिकता, स्नातक तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एकवर्षीय पाठयक्रम पर समझौता हुआ।

फोटो, 5 एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6 कार्यक्रम को सम्बोधित करती दादी हृदयमोहिनी, दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि, एमएससी कोर्स का लांचिंग करते दादीजी तथा विशिष्ट अतिथि